वर्धमान महावीर खुला विश्वविद्यालय, कोटा

एमएआरजे 04

एम.ए. पूर्वार्द्ध परीक्षा

राजस्थानी लोक साहित्य

अवधि 3 **घंटे** **अधिकतम अंक** 80

निर्देश: **औ पेपर खंड अ, ब अर स में बट्यौडौ है। खंड 'अ' में साव छोटा सवाल, खंड 'ब' में छोटा सवाल अर खंड 'स' में निबंधात्मक सवाल हियौडा हैं।**

खंड- स

नोट: **नीचै लिख्या प्रश्नां मांय सूं कोई दो प्रश्न करणा है। सबद सीमा** 400 **सूं** 500 **सबद है। हरैक प्रश्न** 16 **अंक रौ है।** **16 × 2 = 32**

प्रश्न 1. **लोकसाहित्य रौ अरथ स्पस्ट करता थकां लोकसाहित्य अर शिष्ट साहित्य माथै विस्तार सूं लिखौ।**

अथवा

विस्तार सूं टीप करौ।

(अ) लोकसाहित्य अर धरमगाथा।

(ब) लोकसाहित्य अर मनोविज्ञान।

प्रश्न 2. **''लोकगीत मिनख हिरदै रा सांचा उद्गार है।'' इण कथन नै दीठ में राखतां थकां संस्कार सम्बन्धी लोक गीतां री उदाहरण साथै व्याख्या करौ।**

अथवा

राजस्थानी लोककथावा माथै विस्तार सूं लिखौ।

प्रश्न 3. **कठपुतळी अर ख्याल माथै विस्तार सूं लिखौ।**

अथवा

कहावतां माथै विस्तार सूं विवेचना करौ।

प्रश्न 4. **प्रमुख राजस्थानी लोकवाद्यां रौ विस्तार सूं वर्णन करौ।**

अथवा

विस्तार सूं टीप करौ-

(अ) लोक संस्कृति रौ सरूप

(ब) लोक संस्कृति अर मेळा।

प्रश्न 5. **लोकमानस री अवधारणा कांई है ? इणनै स्पस्ट करता थकां लोकमानस रा लक्षणा रौ खुलासौ करौ।**

अथवा

लोकसाहित्य कांई हु वै ? इणनै स्पस्ट करता थकां लो साहित्य अर अभिजात्य साहित्य माथै विस्तार सूं टीप करौ।

प्रश्न 6. **राजस्थानी लोक गीतां रौ वरगीकरण करता थकां देवी देवतावां अर संस्कारां रा गीता नै उदाहरणां साथै समझाऔ।**

अथवा

प्रेमप्रधान राजस्थानी लोककथावां माथै विस्तार सूं विवेचना करौ।

प्रश्न 7. **लोकगाथावां री सामान्य विसेसतावां नै विस्तार सूं उजागर करौ।**

अथवा

कथानक लिखौ।

(अ) बाघौ-भारमली

(ब) निहालदे-सुलतान

प्रश्न 8. **कहावतां अर मुहावरां माथै विस्तार सूं लिखौ।**

अथवा

प्रमुख राजस्थानी लोकवाद्यां रौ विस्तार सूं वर्णन करौ।

प्रश्न 9. **लोकसाहित्य रौ अरथ अर परिभासा लिखतां थकां लोकसाहित्य री विविध विधावां रौ वरगीकरण करौ।**

अथवा

'लोकमानस री अवधारणा' सूं आप कांई अरथ लगाऔ ? इणनै समझावतां थकां लोकमानस लक्षणां नै उजागर करौ।

प्रश्न 10. **राजस्थानी लोकगीतां रौ वरगीकरण करता थकां संस्कारों सूं जुड़्या लोकगीतां री विस्तार सूं विवेचना करौ।**

अथवा

राजस्थानी लोककथावां रौ विस्तार सूं वरगीकरण करौ।

प्रश्न 11. कथानक लिखौ।

(अ) निहालदे सुलतान

(ब) बगडावत

अथवा

लोकनाट्य 'ख्याल' माथै विस्तार सूं लिखौ।

प्रश्न 12. राजस्थानी मुहावरां माथै उदाहरणां साथै लिखतां थकां कहावत अर मुहावरां रौ फरक समझाऔ।

अथवा

लोकसंस्कृति रौ सरूप उजागर करतां थकां राजस्थानी लोकसंस्कृति सांभी ऊभी चुनौतियां अर खतरां माथै विवेचना प्रस्तुत करौ।